व्यवन्त्र प्रायमायम्

भट्ट : देरायाक त्रियासका । अध्ययमा नारमा सामाय कानगरः अन्दर्वाहि विधास करते ।

तिकारः एं। अन्य ः नाम्ना भाषाद्वीतिकात् विभाषा देश्वाकः विधायमात्रात्वात्वत् एंडिस्सा लेखात्रमानु । शुन् विद्यायमात्र याःना गानु क्राना विद्यम् स्तिर्वित्वत्व िक्साम नवन्त्र शिव किलाना नावन कानमाने, जोने विकास विकास स्थानिक नि त्राम अभावत एकी प्रेशने पद अप नामा र अप यह मिला । दिनार ए सन्मास व्यन्ति भन्न व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति विनेतासाम्बाह्म यें ही नामाञ्च प्रेमेनकी आतुन व्यापि द्वाव आतु याछाठी । इडन-

िमामित्रम् लालमाण व्यक्तिमा ानागुँभागात्रत त्रामा जीतीक ू । यागुँभागत त्राम् जिन् वागुँभक त्रहता वर्त्वतं । अतं प्र कानुस्कू भूभाक अःष्ट्र निर्वातं ए देश्तां के विस् अवस्थात अवस्थिति । वाजन विश्व क्षित्र क्षेत्र क्षाक्ष्मामुन जिन्छित श्राकुरुक्त नीपूक्त नामुक्त नामुक्त संगान नेतनास दन-हिल्न छिन्त वाहार्राञ्चल अवः वान्ह्यानित वास्त्राणातत्त क्यादीनं जनन्यान भारतः जुन क्षेरणात् दानवादाः एनक्षात्रे जनः चानक्षीतिकः आकृतः जन्मदानीन

इक्ति व्यंन ए यान्नी केल लागाना क्याना करण सूर्या यहार । भग्र, विन्तु छत्राष्ट्र जारात्र पत्निमात्रसं ज्ञानक आंगत्रस पाता आर्थ विभागत्रम्

त नाइनात के विवास (अ-हि-) Rediment of Anastedge अन अन्ववात, जिल्ला जाता का विवास (अ-हि-) Rediment of Anastedge अन अन्ववात, जाता का विवास जाता बालार्जागृत्व कार्याते विश्व भूगाप अयः छात्रको यानुकाना जार सम असरिक द्राष्ट्रि प्रिमेर क्रिक् अल्ला अस्मिलामा विक्र उपर ममाजाअरध्यात्रम्भन्य अप्र व जाना चार्यन निर्मेनां। नेचनां निर्मेन अधिके रेख्य काठियाक ना अञ्चलमार व्याना प्रया प्रदेशाव सिर्वेश रहिला उर्हिण क तिथा है। कारिए क्षाक क्षण (अन्ति) क्षणक द्वान अन्त रहेना (अम्म्ल) याः अभाराणास (अम्म ह) अद्भिष्ट शिवामीमास्ती। लून ए साम्राम

व्याप्रसामा कृताव मा विविद्या वित उत्ताकत विकास

(Saathi)

Date C1 / 10/ 24 स्वीनामा विभागात्रात्र उपम्यान्य अनुगु कार्विश्वनित्ता. म आमान अमेरा अमाम समानश्ची भीक अंदर जातिब ભુમાં સ્વરજી કે કે મુક્કે છે છે. જે માર્ય કે નિયાન કે છે છે છે છે. प्राक्तिमार्स हे क्यांत अने क्यांत अगाय ज्यांता नाधन साम नगरी है है त्रेत्र [प्राप्ताक प्रताकित्र विश्वाम प्रतीत वाला , भाग अधिक्षेत्र स्राप्ता, नारलाम त्रेर प्राप्ता मिनीबीन स्रीविध स्राप्ता प्रीयम्बर विभिन्न विभाउनासित किलामुहि । नार्भक नार्भक ने के विश्वास के विश्वासन कि एक प्रमुख के अपने अपने विश्वासन मि , विमामामर्थे वाला वारला आमात अंभार मिल्मी वारला आमात लिलाना त्रेश एक ख नात्ना जानास वार्यन विनामा अने असम विनाश जान निध्नाता । प्राप्त अंत वित्रारे देशक्य । प्रेयु मना आका आहार अन्त : अद्भी शर चाल निवसा स्मिता कुन्छ श्रसिक्षेत्र साला साम्यत प्रमिष्ठ ियों ने प्राप्त कांग्रत । तरि उद्योत्मास यानामात्र (नामक विभित्र तरता ति म्बिनियोण प्रेष्ट्रेन क्यासासायन जा एतं कामायन, योह्यासायानरा तानम ्मिश्चर लाउरण । वल , जाक्लभ क्रमान जांक न्याष १ मिश्रापन । उभअद्भात है बाला आणिय सिम्प के मास्त्रमण गाम विकास्त्रमण क्रिक्ति व जननाम जाना येंडास , य कायाम जी में चाराना आणित जान जाने वाम द्वामण प्राम्यत , जाव नुवया जिल्लामान नामा प्राप्ता प्रित्न ७म्पुवार्ष पर्विषि ७९ - हिना - अकामक्रम , वार्र्वावत किए क्रिक्त वि जाय द्रश्वकृत विधा साअविक यात्ता साधव प्राथम राजां मिल्ली विमा कृत् लिए निर्मा आगित विकास जात जनमान स्वाणिक अनारीमा * A Sept of Marie William 12 Shill's GEST AND THE THEORY pole reflere one oblight LEN THE WHOLE LIGHT LES ' WELL SAFE LES WERE हारी मन्त्रिक निर्देश कर्मिक ए LEMET trangette but to fed red public tours cite side times There File Pressing the Checking hold of Land Chage No.